



शुद्ध धनुष

डॉ. बलराम सैनी

अनुक्रम

प्राक्कथन	7
आत्मकथ्य	9
मनोभावनाओं का मार्मिक चित्रण - डॉ. प्रदीप शर्मा 'स्नेही'	11
पत्रकार-कवि अपनी कविता के दर्पण में - जनाब शाम तालिब	13
1. कहो हर एक भारतवासी	15
2. हार्दिक अभिलाषा	16
3. भ्रष्टाचार की बेला आई	18
4. तिरंगे को शीश नवाना है	20
5. मेरा भारत परेशान	21
6. बोलो भारत माता की जय	22
7. चुनाव आया	24
8. शोषण	25
9. पुलिस थाना	27
10. मान और अपमान सब	28
11. राष्ट्रभाषा हिन्दी	29
12. खुद भी तो करते हैं	30
13. दामिनियों की पुकार	31
14. सर्व शिक्षा अभियान	32
15. राजनीति का सिकन्दर	33
16. फुरसत	34
17. आजादी के परवानों का सपना	35
18. भारत देश महान	36
19. अफसोस	37
20. उड़ान छूटने का पश्चाताप	38
21. अपनी होगी कायनात	40
22. वर्षा आई	41
23. तेरा रंग न जानूं रे पानी	42
24. होली	43
25. स्वाभिमान	44
26. ममता	46

27. डॉक्टरों की हड़ताल	48
भक्ति-रस	
28. विनती	49
29. राम-नाम	51
30. ना तेरा नाम लिया	52
31. हरदम हम तेरे गुण गाएं	54
32. बेड़ा मेरा पार करो	56
33. प्रभु मूरत	58
34. मैं वारी-वारी जाऊं	60
35. रे मुरलिया वाले कान्हा	63
36. मन मेरा सोचे काश मैं	65
प्रेम-रस	
37. थे वो भी दुःखी	67
38. दास्तान-ए-ईश्क	69
39. देखा नहीं फिर भी ए सनम	71
40. मुझे प्यार हो गया	73
41. ऐसी आदत नहीं है	74
42. तेरी बेवफाई	75
43. तुमसे दिल लगाने की खता	79
44. तुमको हां देखा है जबसे	77
45. मोहब्बत	79
46. दुःश्मनी तो टिक ना सकेगी	80
47. दिल दिवाना, दूढ़े ठिकाना	82
48. पहला मिलन	83
49. बस आंसू बहाने के लिए	85
50. कबूल-ए-मोहब्बत	87